PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 6 ▸ Mumbai ▸ Friday, 13 March to 19 March 2026 ▸ Weekly ▸ Pages: 8 ▸ Price : 3 Rs.

महाराष्ट्र सरकार को मिला ग्लोबल मंच पर सम्मान

सस्टेनेबल गवर्नेंस के लिए हासिल किया ये अवॉर्ड

मुंबई - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की महाराष्ट्र सरकार को वाटर ट्रांसवर्सैलिटी ग्लोबल अवाड्र्स और कॉन्क्लेव 2026 में 'सीएम ट्रांसफॉर्मेशनल एंड सस्टेनेबल गवर्नेंस अवार्ड' दिया गया है. यह अवॉर्ड राज्य के सस्टेनेबल डेवलपमेंट, क्लाइमेट एक्शन और वॉटर सिक्योरिटी, रिन्यूएबल एनर्जी और टेक्नोलॉजी से चलने वाले गवर्नेंस के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर फोकस को पहचान देता है.

यह अवार्ड महाराष्ट्र के गवर्नेंस मॉडल और फडणवीस की लीडरशिप में सस्टेनेबल डेवलपमेंट, क्लाइमेट एक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर इसके जोर को पहचान देता है. पिछले एक साल में, राज्य सरकार ने वॉटर सिक्योरिटी, रिन्यूएबल एनर्जी और बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर फोकस करते हुए इकोनॉमिक ग्रोथ को मजबूत करने के मकसद से पहल की है. अधिकारियों ने कहा कि इन कोशिशों का मकसद राज्य के लिए एक ज्यादा मजबूत और सस्टेनेबल भविष्य बनाना है. वॉटर कंजर्वेशन और क्लाइमेट-रेसिलिएंट रिसोर्स मैनेजमेंट राज्य के पॉलिसी फ्रेमवर्क का सेंटर रहे हैं. महाराष्ट्र सरकार ने इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ मिलकर कई जिलों में वॉटरशेड प्रोग्राम को बढ़ाया है और वॉटर बॉडीज को ठीक करने के लिए प्रोजेक्ट शुरू किए हैं. इन पहलों से ग्राउंडवॉटर रिचार्ज को बेहतर बनाने और ग्रामीण समुदायों और खेती के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिली है.

संरक्षण के उपायों के साथ-साथ, सरकार ने खेती की मजबूती को मजबूत करने और सूखे की कमजोरी को कम करने के मकसद से बड़े सिंचाई प्रोजेक्ट्स को भी आगे बढ़ाया है. लाखों हेक्टेयर जमीन को सिंचाई कवरेज के तहत लाने के लिए सैकड़ों सिंचाई स्कीमों को मंजूरी दी गई है.

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने किया कार्यभार ग्रहण

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र को अब पूर्णकालिक राज्यपाल मिल गए हैं। महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप में नियुक्त जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन (लोकभवन) में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार संभालने से पहले जिष्णु देव वर्मा सोमवार को मुंबई पहुंचे थे। हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार सहित कई नेताओं ने उनका स्वागत किया।

दक्षिण मुंबई स्थित राजभवन में आयोजित समारोह में जिष्णु देव वर्मा ने राज्यपाल पद की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सुनेत्रा पवार, राज्य के मुख्य सचिव, मुंबई की महापौर रितु तावड़े, राज्य पुलिस प्रमुख सदानंद दाते और मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 6 मार्च को जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया था।

ईरान की मिसाइलों से बचकर मुंबई पहुंचा तेल से भरा जहाज

भारतीय कैप्टन की सूझबूझ से पार हुआ होर्मुज स्ट्रेट

नई दिल्ली - मध्य पूर्व में युद्ध की आग भड़कने के बाद पहली बार सऊदी अरब से कच्चा तेल लाने वाला जहाज मुंबई बंदरगाह पर लंगर डाल चुका है।

यह घटना भारत के लिए बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और हमलों के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति ठप होने की कगार पर पहुंच गई थी। लाइबेरिया ध्वज वाला शेनलॉन्ग नाम का सुएजमैक्स टैंकर 1,35,335 मीट्रिक टन से ज्यादा सऊदी क्रूड ऑयल लेकर बुधवार को मुंबई पहुंचा है। यह जहाज दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष के बाद होर्मुज से गुजरकर भारत पहुंचने वाला पहला बड़ा क्रूड टैंकर है। इसके आने से देश में तेल की कमी और एलपीजी सिलेंडर की किल्लत पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। ये जहाज रास तनूरा बंदरगाह से 1 मार्च को लोड होकर निकला था और 8 मार्च को होर्मुज से गुजरा। इस दौरान जहाज ने ट्रैकिंग सिस्टम को कुछ समय के लिए बंद कर दिया था, ताकि विवादित इलाके में सुरक्षित गुजर सके। शेनलॉन्ग मुंबई बंदरगाह पर दोपहर 1 बजे पहुंचा और शाम तक जवाहर द्वीप पर बर्थिंग पूरी जाएगी। मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के डिप्टी कंजर्वेटर प्रवीन सिंह ने बताया कि जहाज पर 1,35,335 मीट्रिक टन क्रूड ऑयल है, जिसकी डिस्चार्जिंग शुरू हो चुकी है। यह काम करीब 36 घंटे में पूरा होगा। इस क्रूड को मुंबई के महुल इलाके में रिफाइनरी भेजा जाएगा, जहां से इसे प्रोसेस कर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे उत्पाद बनाए जाएंगे। देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई पर पहले से ही रोक लगने की वजह से लोगों में चिंता थी, लेकिन इस जहाज के आने से स्थिति सुधरने की उम्मीद है।

नए ऑटो रिक्शा परमिट पर रोक

राज्य सरकार के पास है फैसला लेने का अधिकार

मुंबई - महाराष्ट्र में बढ़ती ट्रैफिक समस्या और प्रदूषण को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सर नाईक ने घोषणा की है कि 9 मार्च से पूरे महाराष्ट्र में नए ऑटो-रिक्शा परमिट देने पर अस्थायी रोक लगाई

जाएगी। आगे राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह तय किया जाएगा कि नए ऑटो-रिक्शा परमिट किन नियमों और शर्तों पर दिए जाएं। उसी के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा।

मंत्री सरनाईक ने कहा कि जिन शहरों की आबादी 5 लाख से ज्यादा है, वहां ऑटो-रिक्शा परमिट से जुड़ा फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है। इस बारे में मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे ने भी महाराष्ट्र सरकार को सलाह दी है कि वह स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार निर्णय ले सकती है। इस विषय पर राज्य सरकार ने केंद्र से पत्राचार किया था। उसके बाद केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक नोट भेजकर स्पष्ट किया कि मोटर व्हीकल ऐक्ट 2019 के तहत राज्यों को अपनी जरूरत के अनुसार परिवहन व्यवस्था को नियंत्रित करने की छूट दी गई है ।

यदि महाराष्ट्र में ट्रैफिक की समस्या बढ़ रही है, तो प्राइवेट गाड़ियों की खरीद पर नियम लाने की जरुरत है। न की पब्लिक ट्रांसपोर्ट - ऑटो को। क्योंकि मुंबई में पार्किंग सबसे बड़ी समस्या है। हमारा मननां है कि उन्ही को गाडी खरीदने का हक होना चाहिए, जिनके पास पार्किंग है। अधिकांश गाड़ियां रास्तों पर पार्क होती है।

मुंबई मनपा मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार

मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने की जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की महत्वपूर्ण बैठक

मुंबई - आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए मुंबई में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर बीएमसी मुख्यालय में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने की।

इस दौरान उन्होंने सभी सरकारी एजेंसियों को बेहतर योजना और आपसी समन्वय के साथ मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि मानसून से पहले मुंबई की सभी जर्जर और खतरनाक इमारतों का सर्वेक्षण पूरा किया जाए तथा जहां आवश्यक हो वहां रहने वाले नागरिकों का स्थानांतरण मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के अनुसार किया जाए।

इस बैठक में मुंबई शहर और उपनगरों से संबंधित विभिन्न विभागों और एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित थे। इनमें अतिरिक्त मनपा आयुक्त डॉ. विपिन शर्मा, डॉ अश्विनी जोशी, अभिजीत बांगर और अविनाश ढाकणे सहित मनपा के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, मेट्रो, मोनो रेल, भारतीय मौसम विभाग, भारतीय तटरक्षक बल, नौसेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल

(एनडीआरएफ), मुंबई पुलिस, म्हाडा, पीडब्ल्यूडी, एमएमआरडीए और बेस्ट के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। आयुक्त भूषण गगरानी ने निर्देश दिया कि मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए वर्षा जल की निकासी तेज और प्रभावी तरीके से होनी चाहिए। इसके लिए मनपा के संबंधित विभागों के साथ सभी एजेंसियां समन्वय बनाए रखें, रेलवे क्षेत्रों में चल रहे कार्यों के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखने को कहा गया। उन्होंने मेट्रो प्रशासन को निर्देश दिया कि हर मेट्रो स्टेशन की भौगोलिक स्थिति और आवश्यकता को देखते हुए पर्याप्त क्षमता वाले पानी निकालने के पंप लगाए जाएं, साथ ही भारतीय मौसम विभाग को समय रहते बारिश का पूर्वानुमान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि सभी एजेंसियां आवश्यक तैयारियां समय पर कर सकें। घाटकोपर में हुई होर्डिंग दुर्घटना का उल्लेख करते हुए आयुक्त ने सभी एजेंसियों को अपने-अपने क्षेत्रों में होर्डिंग का सर्वेक्षण करने और उनकी संरचना की मजबूती की जांच करने के निर्देश दिए, बैठक में मानसून की तैयारी, संभावित बीमारियों की रोकथाम तथा वर्षा जल निकासी से जुड़ी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

राष्ट्रीय चेतना और एकता को मजबूत ?

भारत की संस्कृति का मूल तत्व 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'सर्वे भवंतु सुखिनः' का आदर्श रहा है। यहां जाति, भाषा और प्रांत की विविधता होते हुए भी एक गहरी एकात्मता रही है। बाहरी आक्रमण और सामाजिक कुरीतियों के बावजूद भारत की एकात्मता आज तक कमजोर नहीं हुई, वह एक जैसी बनी हुई है। समाज को जाति-पांति, ऊंच-नीच के मानसिक बंधनों से मुक्त करने और हिंदू समाज को एक कर संगठित करने के लिए डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में आरएसएस की स्थापना की। उस समय भारत पराधीनता, सामाजिक भेदभाव, ब्रिटिश शासन, ईसाई मिशनरी और मुस्लिम लीग के षड्यंत्रों से संघर्ष कर रहा था। बाहरी आक्रांता चाहे मुगल हों या अंग्रेज, उन्होंने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना पर आघात का भी प्रयास किया, जिसमें वे पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। ऐसे कठिन समय में संघ ने यह लक्ष्य रखा कि भारत को केवल राजनीतिक आजादी नहीं चाहिए, बल्कि उसे सांस्कृतिक, सामाजिक, वैचारिक और आध्यात्मिक रूप से भी स्वतंत्र होना होगा। संघ का उद्देश्य स्पष्ट था-समाज को संगठित कर राष्ट्र को सशक्त बनाना। आरएसएस की स्थापना के बाद धीरे-धीरे इसकी शाखाएं पूरे देश में फैलने लगीं। संघ की कार्यप्रणाली का मूल आधार था-शाखा, जिसमें स्वयंसेवक प्रतिदिन खेल, योग, देशभक्ति गीत और अनुशासनात्मक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का विकास करते हैं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में कहा, 'संघ केवल संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो समाज को जोड़ने और सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है।' संघ तीन प्रमुख बातों पर केंद्रित रहता है-आत्मविश्लेषण और सुधार, समाज के समर्थन को स्वीकार करना तथा राष्ट्र सेवा के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना। संघ की शाखाओं में जब स्वयंसेवक पंक्ति में खड़े होते हैं, तो वहां किसी की जाति, वर्ण या आर्थिक स्थिति नहीं पूछी जाती। संघ की शाखा स्वयं सामाजिक-समरसता का जीवंत प्रतीक है। आज जब राजनीतिक दलों द्वारा नागरिकों को मतदाताओं के रूप में और सामाजिक जाति समूहों को वोट बैंक के रूप में देखा जा रहा है और इनके आधार पर समाज के कृत्रिम विभाजन का प्रयास किया जा रहा है, तब संघ का सामाजिक समरसता का प्रयास अधिक आवश्यक, अधिक उपयोगी और अधिक प्रासंगिक होता जा रहा है। आज सामाजिक समरसता समाज की अपरिहार्य आवश्यकता है। यदि भारत को विश्वगुरु बनाना है तो जाति, भाषा और क्षेत्र की दीवारों को गिराना होगा। संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट है, 'हम सब एक हैं और हमारी शक्ति हमारी एकता में है।' डा. हेडगेवार ने मंदिर प्रवेश आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की, ताकि हर जाति के लोग एक ही देवालय में पूजा कर सकें।

जल संकट का सच ?

सरकार, माफिया और हमारी जिम्मेदारी

जल ही जीवन है। यह वाक्य सिर्फ श्लोक या कहावत नहीं, बल्कि हर इंसान के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन, चाहे वह मानव हो, पशु-पक्षी या वनस्पति, सब कुछ जल पर निर्भर करता है। लेकिन आज बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण और अनुचित जल उपयोग ने जल संकट को गंभीर रूप दे दिया है। यदि हम समय रहते जल संरक्षण और प्रबंधन पर ध्यान नहीं देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ भीषण कठिनाइयों का सामना कर सकती है।

नगरों और गाँवों में जल की चोरी और हानि

अवैध कनेक्शन, टूटी पाइपलाइनें, खुले नल और जरूरत से ज्यादा पानी बहाना–ये जल की बर्बादी के प्रमुख कारण हैं। कई स्थानों पर पानी टैंकरों के माध्यम से चोरी करके निजी उपयोग में लाया जाता है, जिससे न केवल संसाधनों की हानि होती है, बल्कि आम जनता के लिए जल की उपलब्धता भी कम हो जाती है। सिंचाई और घरेलू उपयोग में भी पानी का अत्यधिक अपव्यय होता है।

समाधान

पाइपलाइन और जल आपूर्ति प्रणाली की नियमित जांच और मरम्मत।

अवैध कनेक्शनों पर सख्त कार्रवाई।

- वर्षा जल संचयन को घर, विद्यालय और कार्यालय में अनिवार्य बनाना।
- कृषि में ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकें अपनाना।

दैनिक जीवन में जल का सही उपयोग

एक सामान्य व्यक्ति को प्रतिदिन लगभग 100-135 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। नहाने में 15-20 लीटर, खाना बनाने में 5-10 लीटर और पीने के लिए 3-4 लीटर पर्याप्त है। नल खुला छोड़ने की आदत छोड़ें और आवश्यकता अनुसार ही पानी का इस्तेमाल करें। इस छोटे से कदम से हम बड़ी मात्रा में जल बचा सकते हैं।

जंगल, नगर और महानगर में जल प्रबंधन

जंगल : वृक्ष वर्षा को आकर्षित करते हैं, मिट्टी में नमी बनाए रखते हैं और भूजल स्तर को संतुलित रखते हैं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई से भूजल स्तर गिरता है और नदियाँ सूखने लगती हैं।

नगर और महानगर : तालाब, झील और नदी संरक्षण अनिवार्य है। पुराने जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना और नए जलाशय बनाना आवश्यक है। नगर नियोजन में वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

जल माफिया : जल संकट का छिपा हुआ कारण

कई नगरों में जल संकट सिर्फ प्राकृतिक कारणों से नहीं, बल्कि जल माफिया की गतिविधियों के कारण भी बढ़ता है। ये समूह सरकारी पाइपलाइन, नलकूपों

और झीलों से अवैध पानी निकालकर टैंकरों में महंगे दाम पर बेचते हैं।

समाधान

- जल स्रोतों और पाइपलाइन की डिजिटल निगरानी।
- अवैध बोरवेल और टैंकर संचालन पर सख्त कानूनी कार्रवाई।
- नगरपालिका द्वारा नियमित और पारदर्शी जल आपूर्ति।
- स्थानीय नागरिक समितियों द्वारा सामुदायिक निगरानी।
- भूजल दोहन पर नियंत्रण और लाइसेंस प्रणाली।
- सामाजिक जागरूकता : जब तक जनता जल का महत्व नहीं समझेगी और अवैध जल व्यापार का विरोध नहीं करेगी, समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।

जंगल माफिया: पर्यावरण और जल संकट का छिपा खतरा

जंगल माफिया अवैध रूप से जंगल काटकर लकड़ी और भूमि का व्यापार करते हैं। जंगल कटने से वर्षा का पानी जमीन में समाहित नहीं होता, भूजल स्तर गिरता है और जल संकट बढ़ता है।

समाधान

- अवैध कटाई पर सख्त दंड और आधुनिक तकनीक (ड्रोन, सैटेलाइट) द्वारा निगरानी।
- स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी।
- वृक्षारोपण और वन संरक्षण को जनआंदोलन बनाना।

उद्योग और जल प्रदूषण

औद्योगिक अपशिष्ट जल नदियों, झीलों और भूजल को प्रदूषित करता है। कपड़ा, रासायनिक, कागज और धातु उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट जल पीने योग्य जल की गुणवत्ता घटाता है और जलजनित रोग बढ़ाता है।

समाधानः

-प्रत्येक उद्योग में अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र।

- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नियमित निरीक्षण।
- जल पुनर्चक्रण और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकें।
- स्थानीय समाज का सक्रिय सहयोग।

प्रश्न सरकार के लिए:

- आधुनिक तकनीकों का विकास और प्रयोग क्यों सीमित है?
- जल माफिया और जंगल माफिया पर शिकंजा क्यों नहीं कसा जा रहा?
- इतनी बेरुखी क्यों जबकि जल वर्षा का मूल स्रोत है?

जल, जंगल और जीवन गहराई से जुड़े हैं। स्वच्छ जल और सुरक्षित जल स्रोत ही स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। जल माफिया, जंगल माफिया, उद्योग और प्रशासनिक निष्क्रियता–इन सभी का मिलकर समाधान करना आवश्यक है।

हमारी जिम्मेदारी:

- अवैध जल उपयोग रोकना
- वर्षा जल संचयन अपनाना
- जल स्रोतों की सुरक्षा और संरक्षण

याद रखें: जल ही जीवन है, और इसकी रक्षा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुंबई में मोबाइल चोरी करने वाला अंतरराज्यीय गैंग पकड़ा, 52 फोन बरामद

मुंबई - मुंबई पुलिस ने शहर में मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 52 चोरी किए गए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से शहर के 16 मोबाइल चोरी के मामले सुलझ गए हैं।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई Sir J.J. Marg पुलिस स्टेशन की टीम ने की। आरोपियों को भीड़भाड़ वाली जगहों जैसे धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक कार्यक्रमों और बाजारों में लोगों की जेब से मोबाइल फोन चोरी करने का अनुभव था।

मामले की शुरूआत 26 फरवरी 2026 को हुई जब भेंडी बाजार इलाके में एक युवक का मोबाइल फोन चोरी हो गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आसपास के

इलाकों में निगरानी बढ़ा दी।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने नल बाजार और मस्तान तलाव जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादे कपड़ों में निगरानी रखी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में अपने गिरोह के बारे में जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के बाकी सदस्यों को कुर्ला रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जब वे मुंबई से उत्तर प्रदेश भागने की तैयारी कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी चोरी किए गए मोबाइल फोन को नेपाल और बांग्लादेश सीमा के पास मौजूद संपर्कों के जरिए बेच देते थे। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

मुंबई पुलिस ने कहा कि शहर में मोबाइल चोरी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और लोगों को भी भीड़भाड़ वाली जगहों पर सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

आओ खेलें

	8	6	7	4	5	E		F	C				9	1	
		3		2		C	A	5			1	6	G		
			C		F	9	D	8		B	6	E	A		
	D	1	A		B			E							C
E		F			4				G	3		C	7	8	
		B	3	9			7	C	E	6	A	2	4	5	
C	G	2	5	6		3			8				D	A	F
		7	4			G		9		D	F				1
	A	E				1		D		F	4		C		5
	5	4	F	D	C			3		G	B		6	9	E
6	7		G			5			9	C	E	A		B	D
	B	C	9				6		1					F	
F		G			6				A	2					
4				5						8		1		7	
	E	D		C		4		7	F	1		G	3		
			1	G		D	F				5	B		C	4

प्यूपिल्स टाइम्स

सीएम फडणवीस ने सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे को किया सम्मानित

मुंबई - भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के खिताब पर कब्जा जमाने के बाद देश भर में जश्न का माहौल है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्व कप में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान सीएम फडणवीस ने भारतीय टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास

टी20 विश्व कप 2026 में ऐतिहासिक जीत पर दी बधाई

रच दिया है। उन्होंने विशेष रूप से सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व और शिवम दुबे की विस्फोटक बल्लेबाजी व गेंदबाजी की तारीफ की। फडणवीस ने कहा, मुंबई के इन लाडलों ने न केवल महाराष्ट्र का, बल्कि पूरे देश का सिर फख्र से ऊंचा किया है। इनकी मेहनत और खेल भावना ने करोड़ों युवाओं को प्रेरित किया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में एक अभिनंदन प्रस्ताव भी पेश किया था, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने इस जीत को ह्यटीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का संगम बताया। फडणवीस ने इस दौरान कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को बधाई दी। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने भी टीम की इस ऐतिहासिक सफलता के लिए 131 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। बता दें कि इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल दिखाया। उन्होंने 9 मैचों में 242 रन बनाए, जिसमें अमेरिका के खिलाफ उनकी मैच जिताऊ पारी शामिल थी। वहीं, शिवम दुबे ने फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई और 169.06 के स्ट्राइक रेट से 235 रन कूटने के साथ-साथ अहम मौकों पर विकेट भी चटकाए।

बच्चों पर सोशल मीडिया का विपरीत प्रभाव

इसे रोकने के लिए ठोस उपाय?

मुंबई - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया कि राज्य सरकार अभी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर कानूनी बैन लगाने पर विचार नहीं कर रही है। हालांकि, उन्होंने माना कि छोटे बच्चों की सोच और व्यवहार पर डिजिटल मीडिया का बढ़ता असर चिंता की बात है। इस बारे में उन्होंने यह भी कहा कि इस असर को रोकने के लिए सही और असरदार तरीकों पर विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह बात 'महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2026' सेरेमनी में एक्टर आमिर खान से बातचीत के दौरान कही। इस इंटरव्यू में मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य की इकॉनमी से लेकर युवाओं की मेंटल हेल्थ तक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इस मौके पर उन्होंने इस बारे में डिटेल में बताया कि दूसरे राज्यों की तरह महाराष्ट्र में भी सोशल मीडिया के बहुत ज्यादा इस्तेमाल को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन का जिक्र करते हुए आमिर ने मुख्यमंत्री फडणवीस से पूछा कि क्या महाराष्ट्र सरकार भी ऐसा

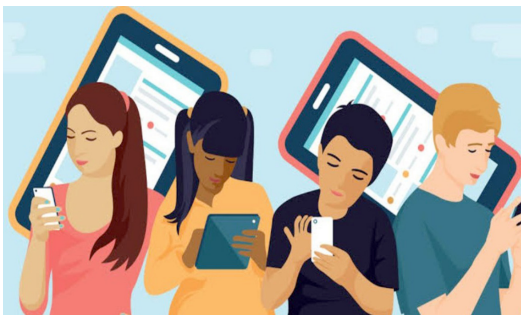

बैन लगाएगी। इस पर फडणवीस ने कहा कि इस पर पक्का सोचना होगा।

अभी हमारे देश के कई राज्यों में यह सोचा जा रहा है कि 16-17 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर देना चाहिए। हमें इस मुद्दे पर कुछ पक्का और फाइनल सोचना होगा। मैं अभी यह साफ नहीं कर रहा कि सोशल मीडिया बैन होगा या नहीं। लेकिन सोलह साल से कम उम्र के बच्चों पर इसके जो बुरे असर पड़ रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने साफ किया कि महाराष्ट्र सरकार इस बारे में जरूर कोशिश करेगी।

सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अकएल्गोरिदम के जरिए लगातार वही चीजें दिखाते रहते हैं जो लोगों को पसंद आती हैं। इससे आपकी सोच धीरे-धीरे उसी तरह बनने लगती है। इसका एक और बड़ा नुकसान यह है कि हमारी कॉन्सट्रेशन करने की क्षमता कम हो गई है। सिर्फ.30 सेकंड की रील होने की वजह से अब कोई भी डिटेल्ड या बड़ी कहानी देखने में दिलचस्पी नहीं रखता। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पढ़ने का शौक पैदा करना वाकई एक बड़ी चुनौती है।

स्वास्थ्य बीमा की परेशानी खत्म

सरकार करेगी शिकायतों का समाधान

मुंबई - हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर्स की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है और उन्हें अच्छी सर्विस देना हॉस्पिटल और इंश्योरेंस कंपनियों की ज़िम्मेदारी है। हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश अबितकर ने साफ किया है कि सरकार पॉलिसी होल्डर्स की शिकायतों पर गौर करेगी और अगर कोई गड़बड़ी सामने आती है तो सही एक्शन लेगी।

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को इंश्योरेंस क्लेम अप्रूव करने में आ रही दिक्कतों और हॉस्पिटल के ज्यादा मेडिकल बिल से जुड़ी शिकायतों के जवाब में, अबितकर ने मिनिस्ट्री में इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों और प्राइवेट हॉस्पिटल के रिप्रेजेंटेटिव की एक जॉइंट मीटिंग की। हेल्थ मिनिस्टर ने इस मीटिंग में निर्देश दिया कि प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियाँ और हॉस्पिटल मरीज को फोकल पॉइंट मानकर सर्विस दें। हॉस्पिटल्स को IRDA पोर्टल पर रजिस्टर करने और जरूरी जानकारी अपडेट रखने का निर्देश देते हुए, उन्होंने क्लेम अप्रूवल के लिए एक तय टाइम लिमिट तय करने की जरूरत पर जोर दिया।

'द केरला स्टोरी 2' को टैक्स फ्री करने की मांग

मुंबई - महाराष्ट्र उत्तर भारतीय मोर्चा के उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र और ई-मेल भेजकर फिल्म द केरला स्टोरी 2 को टैक्स फ्री करने की मांग की है। गुप्ता के अनुसार यह फिल्म समाज, विशेषकर बहन-बेटियों में लव जिहाद के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करती है। उन्होंने स्कूल-कॉलेज व सभागृहों में भी इसके प्रदर्शन की व्यवस्था करने की अपील की है।

महाराष्ट्र : बदलते समय की 25 प्रमुख घटनाएँ और उभरते संकेत

(प्यूपिल्स टाइम्स विश्लेषणात्मक विशेष रिपोर्ट)

महाराष्ट्र देश का एक ऐसा राज्य है जहाँ आर्थिक शक्ति, राजनीतिक गतिविधियाँ और सामाजिक परिवर्तन एक साथ दिखाई देते हैं। मुंबई महानगर से लेकर नवी मुंबई, ठाणे, वसई-विरार, कर्जत, नाशिक, अंबरनाथ और आसानगांव जैसे क्षेत्रों तक इन दिनों कई घटनाएँ और मुद्दे राज्य के भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। बुनियादी ढाँचे के विकास, शहरीकरण, किसानों के आंदोलन और सामाजिक चुनौतियों के कारण महाराष्ट्र का समग्र परिदृश्य निरंतर चर्चा में है।

1. महानगरों का विस्तार और विकास

महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई लगातार नए विकास कार्यों का केंद्र बनी हुई है। महानगर में मेट्रो रेल नेटवर्क, तटीय सड़क परियोजनाएँ, रेलवे विस्तार और नए व्यावसायिक केंद्रों का निर्माण तेजी से हो रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या और यातायात दबाव को कम करना है। मुंबई के मुंबई उपनगर, बोरीवली, मीरा-भायंदर और वसई-विरार क्षेत्रों में आवासीय परियोजनाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। इससे एक ओर लोगों को रहने के लिए नए विकल्प मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पानी, बिजली और परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग भी बढ़ रही है।

2. नवी मुंबई का आर्थिक महत्व

वाशी और बेलापुर जैसे नवी मुंबई के क्षेत्र अब औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बनते जा रहे हैं। यहाँ आईटी कंपनियों, लॉजिस्टिक्स उद्योग और सेवा क्षेत्र की नई इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के पूरा होने के बाद यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है।

3. ठाणे : उभरता शहरी केंद्र

ठाणे शहर को अब मुंबई का विस्तार क्षेत्र माना जाने लगा है। नई आवासीय कॉलोनियों, मॉल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कारण यहाँ जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि शहरीकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन और यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दे भी सामने आ रहे हैं।

4. बदलापुर और अंबरनाथ : सामाजिक चुनौतियाँ

बदलापुर और अंबरनाथ क्षेत्रों में कुछ सामाजिक और आपराधिक घटनाओं ने प्रशासन को सतर्क किया है। स्वास्थ्य सेवाओं और अवैध गतिविधियों से जुड़े मामलों की जाँच ने यह संकेत दिया है कि तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

5. कर्जत, नेरल और आसानगांव : पर्यटन और आवास

कर्जत और नेरल क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण पर्यटन के नए केंद्र बन रहे हैं। यहाँ दूसरे घर परियोजनाएँ और रिसॉर्ट तेजी से विकसित हो रहे हैं। आसानगांव क्षेत्र में रेलवे लाइन विस्तार और परिवहन परियोजनाओं से उपनगरों और मुंबई के बीच यात्रा को सुगम बनाने की योजना है।

6. नाशिक : किसानों और समाज की आवाज

नाशिक क्षेत्र लंबे समय से कृषि और किसानों के आंदोलन का केंद्र रहा है। यहाँ किसानों ने अपनी आर्थिक स्थिति और कृषि नीतियों को लेकर कई बार आंदोलन किए हैं। इन आंदोलनों ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों का ध्यान किसानों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया है।

7. राजनीतिक गतिविधियाँ

महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों और नगर निगमों से जुड़े चुनावों की चर्चा लगातार बनी हुई है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं तक पहुँच बनाने के लिए सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से यह समय राज्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि शहरी क्षेत्रों की राजनीति अब ग्रामीण क्षेत्रों को भी प्रभावित करने लगी है।

8. सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ

महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्रों में बढ़ती आबादी, आवास की कमी, पर्यावरणीय दबाव और यातायात समस्याएँ प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बन रही हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय, रोजगार और कृषि संसाधनों की समस्या भी चर्चा का विषय है।

9. उभरते संकेत

राज्य की वर्तमान परिस्थितियाँ कुछ महत्वपूर्ण संकेत देती हैं–

- शहरीकरण की गति और तेज होगी
- बुनियादी ढाँचे के विकास में बड़े निवेश होंगे
- कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दे राजनीति को प्रभावित करेंगे
- पर्यटन और सेवा क्षेत्र का विस्तार होगा

महाराष्ट्र इस समय विकास और चुनौतियों के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। महानगरों में बढ़ती आर्थिक गतिविधियाँ राज्य को नई दिशा दे रही हैं, जबकि सामाजिक और प्रशासनिक समस्याएँ भी समाधान की मांग कर रही हैं।

मुंबई से लेकर नाशिक और कर्जत तक फैला यह परिवर्तित परिदृश्य बताता है कि आने वाले वर्षों में महाराष्ट्र न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दिशा को भी प्रभावित कर सकता है।

प्यूपिल्स टाइम्स

मुंबई मेट्रो-3 स्टेशनों के पास 30 मीटर नो-पार्किंग का स्थायी आदेश

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 11 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण स्थायी आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, मुंबई मेट्रो लाइन-3 के सभी 27 स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार से 30 मीटर के दायरे में किसी भी वाहन की पार्किंग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यह आदेश Motor Vehicles Act, 1988 की धारा 115 के अंतर्गत जारी किया गया है।

आदेश का उद्देश्य मेट्रो स्टेशनों के आसपास यातायात को सुचारु बनाना और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करना है। पिछले समय में कई स्थानों पर निजी वाहन स्टेशन के पास खड़े कर दिए जाते थे, जिससे यात्रियों के प्रवेश और निकास में बाधा आती थी और आसपास ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती थी।

अब इस आदेश के अनुसार, स्टेशन के गेट से 30 मीटर तक का क्षेत्र नो-पार्किंग जोन होगा। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का वाहन खड़ा करना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। ट्रैफिक पुलिस उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। जरूरत पड़ने पर वाहन को टो करके हटा दिया जाएगा और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माना भी लगाया जाएगा।

यह नियम 24 घंटे लागू रहेगा और मेट्रो-3 के प्रमुख स्टेशनों जैसे कफ परेड, चर्चगेट, मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, दादर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), सांताक्रूज, एयरपोर्ट टी-1 और टी-2, मरोल नाका, एमआईडीसी अंधेरी और आरे कॉलोनी आदि पर प्रभावी होगा।

प्रशासन का मानना है कि इस कदम से न केवल यातायात की गति बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों को स्टेशन तक पहुँचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, यह नियम सार्वजनिक सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को भी मजबूत करेगा।

स्वास्थ्य बीमा: क्यों इसे प्राथमिकता दें

अर्चना शुक्ला
(विशेष प्रतिनिधि)

मुंबई - भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की लागत लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी वित्तीय योजना की नींव स्वास्थ्य बीमा होना चाहिए। व्यक्तिगत बीमा और परिवार फ्लोटर पॉलिसी विकल्प उपलब्ध हैं, जो बीमारियों और आकस्मिक हादसों दोनों से सुरक्षा देती हैं।

क्रिटिकल इलनेस प्लान गंभीर बीमारियों—जैसे कैंसर, दिल की बीमारी या स्ट्रोक—में निश्चित राशि प्रदान करता है। कैशलेस अस्पताल सुविधा और नियमित स्वास्थ्य जांच जैसी सेवाएँ बीमारी के समय तनाव कम करती हैं।

स्वास्थ्य बीमा केवल खर्च की भरपाई नहीं है; यह परिवार की सुरक्षा, मानसिक शांति और वित्तीय स्थिरता का एक साधन है। उचित पॉलिसी और पर्याप्त कवरेज चुनना जरूरी है, ताकि अप्रत्याशित चिकित्सा खर्च से निपटने में मदद मिले और जीवन की योजनाएँ बाधित न हों।

मौत से लौट आई ज़िंदगी ? डॉक्टरों ने दी नई उम्मीद

NH-74 पर गड्ढे ने बदल दी एक महिला की किस्मत

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

पिलीभीत (उत्तर प्रदेश) - कभी-कभी जीवन ऐसी घटनाएँ सामने लाता है जो किसी चमत्कार से कम नहीं लगतीं। उत्तर प्रदेश के पिलीभीत जिले में घटी एक घटना ने लोगों को यही सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या सचमुच मौत को भी मात दी जा सकती है।

50 वर्षीय विनीता शुक्ला, जो स्थानीय न्यायालय में वरिष्ठ सहायक के रूप में कार्यरत हैं, फरवरी के अंतिम सप्ताह में अचानक घर पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत अत्यंत गंभीर बताते हुए परिवार को लगभग निराशाजनक स्थिति से अवगत कराया।

परिवार के सदस्यों ने 24 फरवरी को उन्हें एम्बुलेंस से घर ले जाने का निर्णय लिया, ताकि अंतिम संस्कार की तैयारी की जा सके। एम्बुलेंस जब Bareilly–Haridwar NH-74 पर हाफिज जगंज के पास पहुँची, तभी सड़क के एक गहरे गड्ढे से टकराने पर वाहन को जोरदार झटका लगा।

बताया जाता है कि उसी झटके के बाद अचानक विनीता शुक्ला की सांसों में हलचल दिखाई दी। परिजन हैरान रह गए। तुरंत एम्बुलेंस का रुख पिलीभीत के Neurocity Hospital की ओर मोड़ दिया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने तुरंत उनका उपचार शुरू किया और कुछ दिनों की देखभाल के बाद उनकी स्थिति में लगातार सुधार होने लगा। मार्च के आरंभ तक वह सामान्य स्थिति में लौट आईं। परिवार के लिए यह घटना किसी चमत्कार से कम नहीं थी। उनके अनुसार, यह मानो मौत पर जीवन की विजय है।

विशेषज्ञों की वैज्ञानिक व्याख्या

हालाँकि चिकित्सकों का मानना है कि यह वास्तविक ब्रेन-डेथ का मामला नहीं था। संभवतः विनीता शुक्ला गहरे कोमा में थीं या शरीर में किसी प्रकार के न्यूरोटॉक्सिन का प्रभाव था। तेज झटके से शरीर की प्रतिक्रिया सक्रिय हो गई और सांस की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो गई।

एक सवाल भी छोड़ गई यह घटना

यह घटना जहाँ एक ओर जीवन की अनिश्चितता और आशा की शक्ति को दर्शाती है, वहीं चिकित्सा प्रणाली के लिए भी कई प्रश्न छोड़ती है—क्या मरीज वास्तव में ब्रेन-डेड थे, या फिर स्थिति का आकलन पूरी तरह स्पष्ट नहीं था? जो भी हो, पिलीभीत की यह घटना लोगों को यह विश्वास दिलाती है कि कभी-कभी जीवन आखिरी क्षण में भी नई राह तलाश लेता है।

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सक्रियता और राजनीतिक हलचल

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - फरवरी और मार्च के महीनों में दिल्ली की राजनीति में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ देखने को मिलीं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, और जलापूर्ति जैसे नागरिक मुद्दों पर अपनी सक्रियता दिखाई। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और जनता के बीच संवाद स्थापित किया और समस्याओं के त्वरित समाधान की कोशिश की।

केजरीवाल ने विभिन्न जनहित योजनाओं और सरकारी पहलों का जायजा लिया, ताकि शहरवासियों को बेहतर सेवाएँ मिल सकें। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों

और आलोचनाओं का भी जवाब दिया, विशेषकर पारदर्शिता और प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया को लेकर।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में केजरीवाल की सक्रियता ने उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण और जनसेवा पर फोकस को स्पष्ट रूप से दर्शाया। वहीं, उनके कदमों ने राजनीतिक हलचल को भी बढ़ाया, जिससे दिल्ली के राजनीतिक परिदृश्य में उनके प्रभाव और भूमिका की जटिलता सामने आई।

घटनाएँ यह दिखाती हैं कि अरविंद केजरीवाल न केवल एक राजनीतिक नेता बल्कि सक्रिय जनसेवी के रूप में भी अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

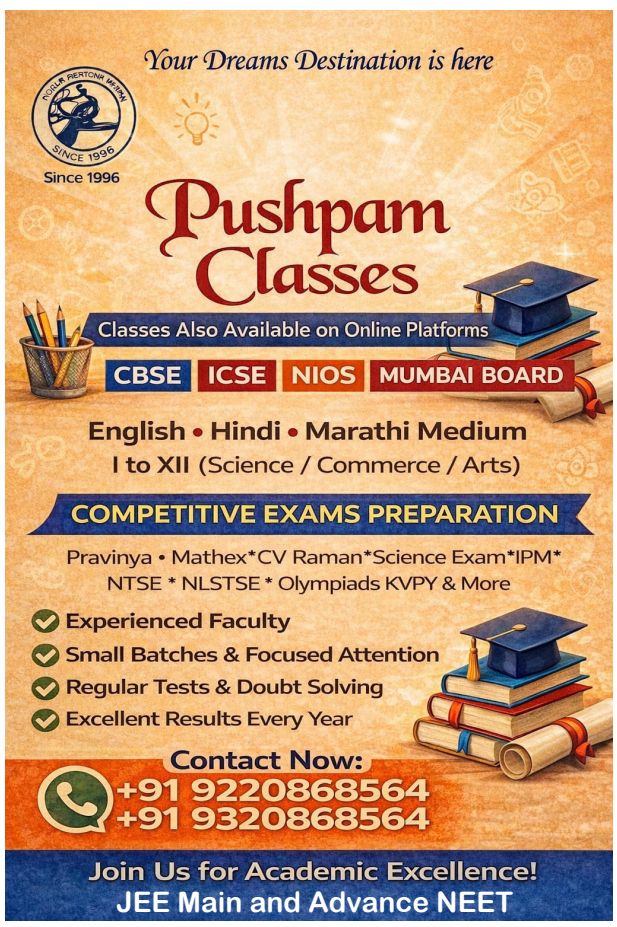

Step into the Future with ASR Digi!

Imagine exploring properties, products, and places without leaving your home! With our state-of-the-art Virtual Reality Tours, your audience can experience your offerings like never before.

Our Services Include:
- Immersive Virtual Tours
- Captivating Drone Videography
- Realistic 3D Renders
- Scale Models
- Influencer & YouTube Marketing
- Professional Website Development
- Side Branding with LED Screens

Don't just tell your Story-show it in stunning detail!

Contact us today!
8879895829 / 9619574572
www.asrdigi.com

प्यूपिल्स टाइम्स

सरकार लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए फ्री वैक्सीनेशन देगी

कल्पनाजी/विशेष संवाददाता

नई दिल्ली - केंद्र सरकार ने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर को कंट्रोल करने के लिए बड़े फैसले लेते हुए बड़े कदम उठाए हैं। 14 साल और उससे ज्यादा उम्र की लड़कियों के लिए पूरे देश में 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (HPV) वैक्सीनेशन कैंपेन चलाने की तैयारी चल रही है। वैक्सीन 'गार्डासिल' फ्री दी जाएगी और एक ही डोज में दी जाएगी।

इस फैसले से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मरीजों की संख्या में काफी कमी आने की उम्मीद है। इससे लड़कियों का भविष्य भी सुरक्षित होगा। पेरेंट्स को अपनी बेटियों की हेल्थ के लिए उन्हें वैक्सीन लगवाने से डरना नहीं चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि बेटियों को हेल्दी रखना जरूरी है। पहले फेज में यह कैंपेन कुछ चुने हुए जिलों में शुरू हो सकता है। इसके बाद, पता चला है कि इसे पूरे देश में फेज में बढ़ाया जाएगा।

HPV क्या है? - 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (HPV) एक फैलने वाला वायरस है। इसके कुछ टाइप सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकते हैं। वैक्सीन की कीमत Rs 3,927 - 'गार्डासिल' वैक्सीन की मार्केट प्राइस लगभग Rs 3,927 है। क्योंकि सरकार यह वैक्सीन फ्री में देगी, इसलिए आम परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। 85 परसेंट तक प्रोटेक्शन - एक्सपर्ट्स के मुताबिक, HPV वैक्सीनेशन सर्वाइकल कैंसर से 85 परसेंट तक प्रोटेक्शन दे सकता है। वैक्सीन लगवाना एक सेफ और असरदार बचाव का तरीका माना जाता है। रजिस्ट्रेशन और वैक्सीन कहां लगवाएं? - स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन स्कूलों के जरिए किया जाएगा। वैक्सीन पास के प्राइमरी हेल्थ सेंटर, रूरल हॉस्पिटल और डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भी मिलेगी। हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से अलग गाइडलाइंस जारी की जाएंगी। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है - सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल इस बीमारी से हजारों महिलाओं की मौत हो जाती है। जल्दी डायग्नोसिस और वैक्सीनेशन को बचाव का असरदार तरीका माना जाता है।

परिवार से समाज तक: भारत में बुजुर्गों की बदलती स्थिति

भारतीय समाज में बुजुर्गों को सदैव सम्मान और आदर की दृष्टि से देखा गया है। मातृदेवो भव, पितृदेवो भवह्व जैसे आदर्शों ने यह संदेश दिया कि माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा समाज का नैतिक कर्तव्य है। संयुक्त परिवार की परंपरा में बुजुर्ग परिवार के मार्गदर्शक, अनुभव के स्रोत और संस्कारों के संरक्षक माने जाते थे। किन्तु आधुनिक समय में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के कारण उनकी स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

VIKAS MAURYA
Co-Publisher

भारत में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 10.38 करोड़ लोग 60 वर्ष से अधिक आयु के थे, जो कुल जनसंख्या का लगभग 8.6 प्रतिशत था। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में यह संख्या लगभग 14.9 करोड़ तक पहुँच चुकी है और अनुमान है कि 2036 तक यह लगभग

22 करोड़ से अधिक हो सकती है। इसका अर्थ है कि भारत धीरे-धीरे एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहा है जहाँ बुजुर्ग आबादी का अनुपात लगातार बढ़ेगा।

इस परिवर्तन के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। संयुक्त परिवारों के विघटन और शहरीकरण के कारण अनेक बुजुर्ग अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। बच्चों के रोजगार या शिक्षा के कारण दूर चले जाने से पारिवारिक संबंधों में भौतिक दूरी बढ़ गई है। इसके साथ ही आर्थिक असुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण समस्या है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग असंगठित क्षेत्र में कार्यरत रहे हैं जहाँ सेवानिवृत्ति के बाद नियमित आय का कोई स्रोत नहीं होता।

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी बुजुर्गों के लिए एक बड़ी चुनौती है। बढ़ती आयु के साथ हृदय रोग, मधुमेह और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

इन परिस्थितियों में आवश्यक है कि परिवार, समाज और सरकार मिलकर बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन की व्यवस्था करें। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मजबूत करना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील सामाजिक वातावरण विकसित करना समय की आवश्यकता है।

बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और ज्ञान से समाज को दिशा मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उन्हें बोझ नहीं बल्कि समाज की संपत्ति के रूप में देखें और ऐसा वातावरण बनाएँ जहाँ वे सम्मान, सुरक्षा और गरिमा के साथ जीवन जी सकें।

अंबरनाथ: औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग

अंबरनाथ - (ठाणे जिला) के औद्योगिक क्षेत्र में हाल ही में लगी भीषण आग ने स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को चिंतित कर दिया। जानकारी के अनुसार एक रासायनिक/औद्योगिक इकाई के परिसर में आग लगने से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग इतनी तेज थी कि आसपास के इलाकों में धुएँ का घना गुबार फैल गया और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

दमकल विभाग की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार आग से औद्योगिक सामग्री और मशीनरी को भारी नुकसान हुआ, हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि टल गई।

इस घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया है कि महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि-सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत है। विशेषज्ञों का मानना है कि रासायनिक उद्योगों और कारखानों में नियमित सुरक्षा निरीक्षण, अग्नि-नियंत्रण उपकरण और आपातकालीन प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जाँच के आदेश दिए हैं और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग तकनीकी खराबी, रासायनिक प्रतिक्रिया या लापरवाही के कारण लगी। अंबरनाथ की यह घटना महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक चेतावनी मानी जा रही है। राज्य में तेजी से बढ़ते औद्योगिक विकास के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
Mumbai HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guaranty but classes no result guaranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
24 HOURS EMERGENCY
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

मनुर्भव (मनुष्य भव) वेदः कथयति – त्वं मनुष्य भव।

यदा कश्चन यथार्थंभवति, तदा स यथार्थं अन्येभ्यः च प्रदातुं शक्नोति। दग्धं दीपकं एव निमज्जितं दीपकं दग्धुं समर्थम्। निमज्जितं दीपकं किं दग्धं दीपकं दग्धुं शक्तम्? मनुष्यस्य कर्तव्यं यत् - स्वयं मनुष्य भवेत् तथा अन्येभ्यः मनुष्यत्वे प्रेरणां ददातु।

स्वयं उत्तम भवेत्, अन्येभ्यः उत्तमं ददातु। यदि मनुष्य स्वयं उत्तमः, परंतु अन्येभ्यः उत्तमं न ददाति, तर्हि तस्य साधना अपूर्णा भविष्यति। यदि स्वयं उत्तमः, परंतु स्वजनेभ्यः उत्तमं न ददाति, तर्हि स तस्य लक्ष्ये अर्धसिद्धिम् उपलभते।

वास्तवे मानवस्य मानवत्वं एव तस्य आभूषणम्। वेदः उपदिशति - त्वं मनुष्य भव।

कश्चन कथयति - मुस्लिमः भव, कश्चन - ईसाई भव, कश्चन - बौद्धः भव। किन्तु वेदः कथयति - त्वं मनुष्य भव।

एतेषां विशेषता वेदस्य उपदेशं अन्यधर्मग्रन्थानां उपदेशात् उच्चं कुर्यात्। वेदस्य उपदेशः संकीर्णता वा संकुचितता परितः। एषः सर्वत्र, सर्वकाले, सवेर्षां मनुष्याणां कृते समत्वेन प्रयोज्यते।

यदा एषः वेदोपदेशः चरितार्थः आसीत्, तदा संसारः मनुष्यैः एव मानवः आसीत्। मानवत्वस्य भेदकं कारणं न उपस्थितम्।

संसारे यत्र जलचर, नभचर, भूचर प्राणी भवन्ति, तेषां मध्ये मानवः शरीररचना दृष्ट्या श्रेष्ठः। बुद्धिना भूषितः, परमात्मना चर्तुचन्द्रादयो प्रदत्ताः।

शतपथब्राह्मणकारः सुन्दरं कथयति –
पुरुषो वै प्रजापतेर्नेदिष्ठम्।

अर्थात् - प्राणिनामध्ये मानवः परमेश्वरस्य निकटतमः। अन्यः कश्चन प्राणी एतादृशं निकटता न प्राप्यते। यदि मानवः स्वमानवत्वं पश्यति, तर्हि स मानवः। अन्यथा पशुत्वं प्रकट्य, स पशुः भवति।

संस्कृतकविः उक्तवान् –

खादते मोदते नित्यं शुनकः शूकरः खरः।
तेषामेषां को विशेषो वृत्तियेर्षां तु तादृशी।।

कुत्ताः, सूकराः, गधाः च खादन्ति, पीयूषं करोतः, खेलन्ति। यदि मनुष्यः केवल एतेन जीवनसार्थकत्वं पश्यति, तर्हि स पशुना भिन्नः नास्ति।

कविः केवलं खादनं, पानं, क्रीडां वदति, किन्तु तादृशा अपि मनुष्याः यत्र पशूनां समानाः सन्ति। मूर्खाः गधसमानाः, बस्तीन् उजाडयन्तः उल्लुसः, तीक्ष्णवचनकर्त्ता ततैयाः, व्यसनी अन्यान् व्यसनेण पीडयन्ति - सर्पाद् अपि अधिकम्। क्रोधी निर्बलान् दबयन्तः - व्याघ्रसमाः। परस्परयुद्धकाः - शुनकसमाः। अभिमानी - गरुडसमाः। लोभी - गीदः। शब्दरसाधीनाः हिरणसमाः। स्पर्शरसाधीनाः - हस्तिसमानः। रूपरसाधीनाः - पतङ्गसमाः। गन्धरसाधीनाः - भृङ्गसमाः। स्वादरसाधीनाः - मीनसमाः। कायराः - मेषगिड्ड। हरिचुग - गिरगिटसमाः।

एते पशुवृत्तयः केवलं अपठितेषु न, अपितु शिक्षितेषु अपि। बी.ए., एम.ए. अपि ईर्ष्या, द्वेषे दलदलयुक्ताः। शास्त्री, आचार्य अपि संकुचिततायाः रोगेण ग्रस्ताः। शिक्षायाः भूषणं दूषणं जातम्। केवलं अध्ययनं मनुष्यत्वं न ददाति।

मनुष्यत्वं साधना - जीवनपर्यन्त। जागरूकता, आत्मनिरीक्षणं - तत्र एव मानवः मानवत्वस्य अधिकारी। ऊँचे मनुष्याः दुर्लभाः।

रूसो कथयति –

'हमारा मनुष्य बनना हमारी सबसे पहली पढ़ाई है।'

मुंशी प्रेमचन्द कथयति –

'मनुष्य बहुत होते हों, पर मनुष्यता विरले में ही होती है।'

छाया-युद्धस्य कथा : ईरान-इजराइल-संघर्षः तथा आधुनिक-गुप्तचर-रणनीतयः

एकविंशति-शताब्द्याम् (21वीं सदी में) युद्धस्य स्वरूपं तीव्रतया परिवर्तितम् अस्ति। पूर्वकाले युद्धाः सीमासु सेनानां प्रत्यक्ष-संघर्षरूपेण लड्यन्ते स्म, किन्तु अधुना अनेकाः संघर्षाः औपचारिक-युद्ध-घोषणा विना दीर्घकालं यावत् प्रवर्तन्ते। मध्य-पूर्व-प्रदेशे Iran (ईरान) तथा Israel (इजराइल) इत्ययोः मध्ये चलमानः संघर्षः तस्य प्रमुखः उदाहरणः अस्ति। अस्मिन् संघर्षे कदाचित् United States (यूनाइटेड स्टेट्स / संयुक्त-राज्य-अमेरिका) अपि अप्रत्यक्षरूपेण सम्बद्धः दृश्यते।

विशेषज्ञाः एतत् 'छाया-युद्धम् इति कथयन्ति। अस्मिन् प्रकारे युद्धे प्रत्यक्ष-सैन्य-संघर्षः न्यूनः भवति, किन्तु साइबर-आक्रमणानि, गुप्तचर-अभियानानि, वैज्ञानिकानां लक्ष्यीकृत-हत्या, गोपनीय-दस्तावेजानां चोरी तथा सैन्य-प्रतिष्ठानानां विनाश-प्रयासाः निरन्तरं दृश्यन्ते। गत-द्वयोः दशकयोः बहवः प्रसंगाः प्रकाशे आगताः येन अस्य संघर्षस्य वास्तविकं स्वरूपं स्पष्टं जातम्।

परमाणु-वैज्ञानिकस्य मोहसिन-फखरीजादेह-वधः

२७ नवम्बर २०२० तिथौ ईरान-देशस्य प्रमुखः परमाणु-वैज्ञानिकः मोहेसेन फखरीजादेह हत्या-काण्डस्य शिकारः अभवत्। सः ईरानस्य परमाणु-कार्यक्रमस्य प्रमुखः मस्तिष्कः इति मन्यते स्म। तेहरान-नगरस्य समीपे तस्य वाहनम् आक्रमितम् अभवत्, अल्पकालानन्तरं तस्य निधनम् अभवत्।

ईरान-सरकारेण अस्य आक्रमणस्य पृष्ठे इजराइल-देशस्य गुप्तचर-संस्था मोसाद इत्यस्य भूमिका आरोपिता। केचन अन्तरराष्ट्रीय-प्रतिवेदनाः सूचयन्ति यत् अस्मिन् आक्रमणे अत्याधुनिक-शस्त्र-प्रौद्योगिकी उपयुज्यत।

एषः प्रसंगः दर्शयति यत् आधुनिक-भूराजनीतौ वैज्ञानिकाः अपि रणनीतिक-लक्ष्याः भवितुम् शक्नुवन्ति। तदनन्तरं बहवः देशाः स्व-रक्षा-वैज्ञानिकानां सुरक्षा-व्यवस्थां अधिकं सुदृढीकृतवन्तः।

तेहरान-नगरात् परमाणु-दस्तावेजानां चोरी

२०१८ वर्षे एकः अत्यन्त-साहसिकः गुप्तचर-अभियानः प्रकाशे आगतः। इजराइल-देशेन दावा कृतः यत् तस्य एजेन्टाः तेहरान-नगरस्य एकस्मात् गुप्त-भण्डारात् ईरानस्य परमाणु-कार्यक्रमसम्बद्धान् सहस्रशः दस्तावेजान् प्राप्तवन्तः।

प्रतिवेदनानुसारं रात्रिकाले एजेन्टाः भण्डारं प्रविश्य अनेकाः तिजोर्यः भित्त्वा बहूनि अभिलेखानि तथा डिजिटल-लेख्य-संग्रहान् अपहृतवन्तः। अनन्तरं इजराइल-देशस्य प्रधानमन्त्रिणा बिन्यामिन नेतन्याहू पत्रकार-सम्मेलने एते दस्तावेजाः सार्वजनिकीकृताः।

इजराइल-देशस्य कथनम् आसीत् यत् एते दस्तावेजाः ईरानस्य गुप्त-परमाणु-शस्त्र-कार्यक्रमस्य प्रमाणानि सन्ति। अस्य घटनायाः परिणामस्वरूपं अन्तरराष्ट्रीय-राजनीतौ व्यापक-चर्चा आरब्धा तथा ईरानस्य परमाणु-कार्यक्रमे वैश्विक-निगरानी अधिका जाता।

स्टक्सनेट-साइबर-आक्रमणम्

२०१० वर्षे प्रकाशितः कम्प्यूटर-वायरसः (स्टक्सनेट) आधुनिक-साइबर-युद्धस्य प्रसिद्धतम उदाहरणम् इति मन्यते। एषः वायरसः विशेषरूपेण ईरानस्य परमाणु-संयंत्रे (नतांज परमाणु-संयंत्र)

लक्ष्यीकृतः आसीत्।

अयं वायरसः संयंत्रस्य सेंट्रीफ्यूज-यन्त्राणां गतिं विकृतरूपेण परिवर्त्य तानि क्षतिग्रस्तानि अकरोत्। परिणामतः ईरानस्य परमाणु-कार्यक्रमः बहुवर्षपर्यन्तं विलम्बितः अभवत्।

अनेकाः अन्तरराष्ट्रीय-विशेषज्ञाः मन्यन्ते यत् एषः साइबर-अभियानः इजराइल तथा अमेरिका-देशयोःसंयुक्त-रणनीत्याः भागः आसीत्। एषा घटना विश्वाय दर्शयति यत् कम्प्यूटर-कोडःअपि युद्धस्य प्रभावी अस्त्रं भवितुम् शक्नोति।

ईरानी-वैज्ञानिकानां रहस्यमय-हत्या

२०१० तः २०१२ पर्यन्तं ईरान-देशस्य अनेकाः परमाणु-वैज्ञानिकाः रहस्यमय-आक्रमणेषु मृत्युम् प्राप्तवन्तः। तेषु प्रमुखौ नामनी स्तः (मजीद शाह्रियारी) तथा (मोस्तफा अहमदी रोशन)।

एतेषां आक्रमणानां पद्धतिः प्रायः समान आसीत्। मोटरसाइकिल-आरूढाः आक्रमणकर्तारः वैज्ञानिकस्य वाहनस्य समीपम् आगत्य तत्र चुम्बकीय-विस्फोटकं स्थापयन्ति स्म। अल्पक्षणे एव विस्फोटः जातः, लक्ष्यस्य मृत्युश्च।

ईरान-सरकारेण एतेषां घटनानां पृष्ठे इजराइल-देशस्य गुप्तचर-संस्था तथा पाश्चात्य-देशाः उत्तरदायी इति आरोपः कृतः।

नतांज-परमाणु-संयंत्रे विनाश-प्रयासः

२०२० वर्षे ईरान-देशस्य परमाणु-कार्यक्रम सम्बद्धेषु अनेक-प्रतिष्ठानेषु रहस्यमय-विस्फोटाः तथा अग्निकाण्डाः दृष्टाः। तेषु प्रमुखा घटना आसीत् (नतांज परमाणु-संयंत्र) नामक-यूरेनियम-संवर्धन-केंद्रे।

अस्य विस्फोटस्य कारणेन उपकरणानि क्षतिग्रस्तानि अभवन् तथा परमाणु-कार्यक्रमः अस्थायी-रूपेण बाधितः। ईरान-देशेन एतत् विनाश-प्रयासः इति घोषितम् तथा विदेशी-गुप्तचर-संस्थानां सम्भावना सूचिता।

विश्वाय प्राप्ताः प्रमुखाः संदेशाः

एतेषां घटनानां विश्लेषणेन आधुनिक-विश्व-राजनीतिः अधिकं स्पष्टा भवति–

प्रथमः – छाया-युद्धस्य युगम्

अधुना राष्ट्राणां संघर्षाः प्रत्यक्ष-युद्धरूपेण न, अपितु गुप्तचर-अभियानैः तथा साइबर-आक्रमणैः सञ्चालिताः भवन्ति।

द्वितीयः – साइबर-अस्त्राणां महत्त्वम्

स्टक्सनेट इव घटनाः दर्शयन्ति यत् कम्प्यूटर-प्रौद्योगिकी अपि युद्धस्य शक्तिशाली अस्त्रं भवितुम् शक्नोति।

तृतीयः – परमाणु-कार्यक्रमस्य वैश्विक-निगरानी

ईरानस्य परमाणु-कार्यक्रमे अन्तरराष्ट्रीय-संस्था (इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी) इत्यस्य भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्णा अभवत्।

चतुर्थः – वैज्ञानिकाः अपि लक्ष्याः

आधुनिक-भूराजनीतौ वैज्ञानिकाः तथा तकनीकी-विशेषज्ञाः अपि रणनीतिक-लक्ष्यरूपेण दृष्टाः भवन्ति।

पञ्चमः – गुप्तचर-संस्थानां प्रभावः

मोसाद इव संस्थाः आधुनिक-रणनीतौ अत्यन्त प्रभावशालिन्यः सन्ति।

ईरान तथा इजराइल-देशयोः संघर्षः केवलं द्वयोः राष्ट्रयोः विवादः नास्ति, अपितु आधुनिक-युद्धस्य परिवर्तित-स्वरूपस्य उदाहरणम् अस्ति। अधुना युद्धाः केवलं सेनाभिः न लड्यन्ते, अपितु प्रौद्योगिकी, साइबर-शक्ति, गुप्तचर-अभियान तथा वैश्विक-रणनीतिक-गठबन्धनैः अपि संचालिताः भवन्ति।

अतः विश्वस्य प्रमुख चुनौती एषा अस्ति यत् एते छाया-युद्धाः कदाचित् अचानक विशाल-क्षेत्रीय-संघर्षे परिवर्तितुं शक्नुवन्ति। तस्मात् कूटनीति, अन्तरराष्ट्रीय-सहयोग तथा वैश्विक-सुरक्षा-व्यवस्था अद्य पूर्वात् अधिका आवश्यकाः सन्ति.

परमात्मा-स्मरणेन आत्मसाक्षात्कारः

यः परमात्मनः रूपेण ध्यानं करोति, स एव सैव भवति। निरन्तरं परमात्मा-स्मरणे स्थिताः भूत्वा एकक्षणं अपि तं विस्मर्तुं मा यतस्व। यदि विस्मरः स्यात्, स्मरणं प्राप्तं कृत्वा पुनः आरभस्व।

'यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति। तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥६:३०॥'

अर्थात् - यः सर्वत्र मां पश्यति च सर्वं मयि पश्यति, तस्य अहं नष्टो न स्याम्, स च मम न वियुक्तः।

'यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद्भावभावितः॥८:६॥'

अर्थात् - अन्तकाले यस्य भावं स्मरन्तः शरीरं त्यजति, सैव तद्भावं प्राप्नोति।

'तस्मात्सवेर्षु कालेषु मामनुस्मर युध्य च। मयर्पित मनोबुद्धिमार्मेवैष्यस्यसंशयम्॥८:७॥

सर्वकाले मम स्मरणं कुर्वन्, मनोबुद्धिं मयि अर्पयन् युद्धं च करोति, स निश्चयेन मां प्राप्नुयात्।

सर्वद्वाराणि संयम्य मनो हृदि निरुध्य च। मूध्न्यार्धायात्मनः प्राणमास्थितो योगधारणाम्॥८:१२॥

इन्द्रियद्वाराणि संयम्य, मनः हृदि स्थिर्य, प्राणं शिरोस्थे स्थाप्य

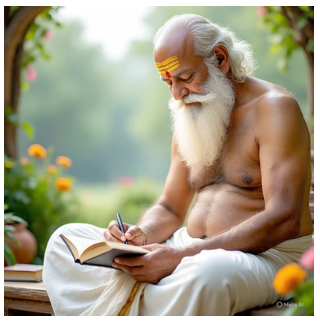

योगधारणायां स्थितः भव।

ओमित्येकाक्षरं ब्रह्म व्याहरन्मामनुस्मरन्। यः प्रयाति त्यजन्देहं स याति परमां गतिम्॥८:१३॥

'ओम् एकाक्षरं उच्चरन् मम स्मरणं कृत्वा यः शरीरं त्यजति, स परमं गतिं प्राप्नोति।

'अनन्यचेताः सततं यो मां स्मरति नित्यशः। तस्याहं सुलभः पार्थ नित्ययुक्तस्य योगिनः॥ ८:१४॥'

अस्मिन् अनन्यचित्ते योगिनि सततं स्मरन्, अहं सुलभो भवामि।

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज। अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः॥१८:६६॥

सर्वधर्मान् त्यक्त्वा मम शरणं गत्वा, अहं सर्वपापेभ्यः विमुक्तिं दास्यामि।

गुरुतत्त्वम्, आत्मतत्त्वं, परमात्मा च एकसमानानि। यः परमात्मा-स्मरणे निरन्तर स्थितः, स एव सदा परमात्मा-साक्षात्कारं प्राप्नोति।

ऊर्ध्वमूलमधःशाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम्। छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित्॥१५:१॥

संसाररूपं वृक्षम् अव्ययम्, ऊर्ध्वमूलमधःशाखम्, छन्दपर्णसम्पन्नम्। यस्मिन् ज्ञानं कृतं स वेदवित्।

हारं मा मान्यत। हरिनाम्ना चित्तं केन्द्रितं कुरु। यथा कीटकः भृंगस्य भयेन कमले पुष्पे लुप्तः भवति, तथा हि निरन्तरं परमशिवस्य स्मरणेन आत्मा परमशिवो भवेत्।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

Dawn: The Light That Disperses the Darkness of Ignorance

Dawn, the serene pre-sunrise hour, is more than just the start of a day—it is a divine opportunity. This sacred time carries a special light of knowledge, offering us clarity, focus, and inner awakening. By embracing the calm of dawn, we can dispel the darkness of ignorance that clouds our mind and heart.

Understanding the Darkness of Ignorance

Human life often suffers because we remain unaware of our true self. Most of us do not realize our eternal nature, nor do we understand that every action—good or bad—binds us to its consequences. There is only one path that connects us directly with the Creator: recognizing our eternal, divine self through devotion, faith, and surrender. Without this awareness, we remain like lost souls, unaware of our divine connection.

Why Dawn Matters

Scientifically and spiritually, dawn provides a pure, calm, and pollution-free environment. It is the perfect moment to plan your day, focus on your inner self, and reflect on your purpose. Only by utilizing this sacred time can we move closer to fulfilling the true meaning of life.

Your Spiritual Responsibility

If you are studying Vedic knowledge, your duty extends beyond personal learning. Share this wisdom with others, inspire regular Vedic study, and help spread universal truths that uplift humanity. The Vedas are not limited to any sect—they guide all seekers toward self-realization.

Tools for Spiritual Growth

Download Vedic Pedia on your phone to study the four Vedas, listen to mantras, and explore practical wisdom. Join sacred Vedic programs on Telegram to receive guidance and access ancient mantras.

Embark on the Divine Journey

Step into the light of dawn and unite with the Supreme Being, the ultimate power of the universe. Let this journey of knowledge, self-realization, and spiritual awakening illuminate your life and the lives of all sacred souls.

The Power of Positive Thinking

Dr. Mishra Ashishkumar Prabhunath
BAMS (Mumbai)

Human thoughts are of two types – positive thoughts and negative thoughts. Every thought influences our mind and actions. Positive thoughts act like a flourishing garden, bringing joy, strength, and clarity wherever they go.

Negative thoughts, on the other hand, are like diseases; they spread quickly and trap the mind in confusion, stress, and unhappiness.

When a person becomes accustomed to negative thinking, they easily get carried away by it and struggle to embrace positive ideas. Such thoughts, like a net, bind the person and limit their growth. In contrast, cultivating positive thinking strengthens the mind, inspires others, and guides those who have lost their way. Positive thoughts are the foundation of culture, civilization, and social harmony. In societies where people think positively, communities become strong, and great leaders and role models emerge.

Just as Narada says:

"The thought that one firmly cultivates becomes reality."

The way we perceive the world shapes our experience. If we see it with negativity, we find problems everywhere. But if we view it with positivity, we discover opportunities, goodness, and joy in every situation.

Hence, every person should practice positive thinking daily. Keep your mind focused on constructive ideas, act with awareness, and spread positivity to others. By doing so, one can live a strong, peaceful, and meaningful life. Positive thinking is not just personal growth; it is the key to world peace and harmony.

Remember – your mind shapes your world. Feed it with good thoughts, and your life will bloom like a beautiful garden.

Financial Fraud Probe: Public Notice Issued in Mumbai

Gourav Singh/Navi Mumbai

Navi Mumbai : Bangur Nagar Police Station in Mumbai has issued a public notice seeking assistance from citizens in connection with an ongoing financial fraud investigation. The notice, released on March 11, 2026, highlights suspicious financial transactions and alleged fraudulent activities that are currently under scrutiny.

According to the police, the investigation relates to certain transactions and activities dating back to 2023. Preliminary findings indicate that some individuals were encouraged to invest money with promises of attractive financial returns. However, irregularities later emerged in these dealings, raising concerns about possible fraudulent practices. Following these developments, the police registered a case and began a detailed inquiry into the matter.

During the investigation, several documents, bank account details, and mobile communication records have been examined. Authorities believe that more individuals connected to the case or important evidence may still come to light as the probe continues.

The police have appealed to the public to share any information, documents, or transaction records that may help in the investigation. Officials assured that the identity of informants will remain confidential. They also advised citizens to remain cautious and verify investment opportunities carefully to avoid falling victim to financial fraud.

Five best fruits to eat during pregnancy

Food is always the primary need for any human being. Especially during pregnancy, making healthy food choices is of utmost importance. Though you might have heard the irritating statement many times during your pregnancy, you really do have to eat for two. The choices that you make will affect both you and the growing baby in your womb. Fruits have an important role to play in the diet of a mother-to-be. A pregnant woman's body requires nutrients for the optimal development of the foetus. While all fruits are generally good for pregnant women, there are certain fruits that a pregnant woman is specifically encouraged to consume. Let us see the 5 best fruits for a pregnant woman to consume.

Apples

Packed with nutrients, apples are proven to be beneficial for pregnant women. In addition to being rich in Vitamins A and C, apples are also a good source for potassium and fibre. Studies have revealed a beneficial association between the consumption of apples during pregnancy by the mother and the appearance of wheezing and asthma in their children at the age of five years. Flavonoids in apples are polyphenolic compounds that have antioxidant capacities. It is the flavonoids in apples that are associated with a reduced risk of developing asthma.

Bananas

Rich in vitamins and minerals, bananas are considered to be an ideal fruit to consume during pregnancy. Iron deficiency is one of the most commonly found complaints in pregnant women. Bananas have been found to be good at boosting the haemoglobin levels in the body. Bananas also help in relieving vomiting and nausea experienced during pregnancy. Folic acid in bananas reduces the risk of birth defects and premature birth, while also helping to boost the appetite in pregnant women with food aversions.

Pomegranates

Pomegranates contain the highest levels of polyphenol among all the dietary supplements that are available in the market. Studies have come to the finding that the consumption of pomegranates during pregnancy has been seen to aid in neuroprotection of infants. Pomegranates are also a rich source of Vitamin K, iron, fibre, protein, and calcium.

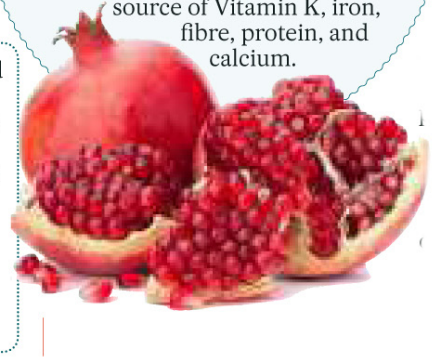

PUPILS TIMES

Friday, 13 March to 19 March 2026

Don't panic book LPG cylinders, Petroleum Ministry urges consumers

Mumbai : Luxury is no longer determined by inheritance; it is defined by accomplishment. Mumbai's high-end residential landscape is experiencing a fundamental shift. The modern luxury consumer is not someone born into privilege, but someone who has earned it. These are leaders, founders, wealth creators, innovators and decision-makers, individuals who value quiet confidence over ostentation, rare experiences over excess and enduring quality over fleeting trends.

For this refined audience, a home is more than a lifestyle choice. It is a personal statement; a reflection of perseverance, intellect and milestones that shaped their journey. Their address must echo the same principles that led them to success: strategy, precision, privacy, and proximity to influence.

Against this backdrop of an evolving luxury mindset, Raymond Realty introduces "The Gold Collar Life" to Bandra Kurla Complex (BKC). This announcement marks the brand's next ultra-luxury residential venture in Mumbai's most influential district, and a defining milestone in its luxury portfolio, the most strategically significant launch to date.

raises booking gap to 25 days

The Gold Collar Life aligns seamlessly with an audience that values power, precision, institutional prestige, and global connectivity. BKC offers unmatched advantages: proximity to Fortune 500 companies, international consulates, and world-class lifestyle destinations, such as Jio World Drive and Jio World Plaza, supported by transformative infrastructure, including the upcoming Bullet Train Terminal, Metro Line 3, and the Coastal Road network. With residences still priced nearly 30% below Bandra West, the district offers a rare pre-convergence opportunity, further elevated by the upcoming Bombay High Court complex, which brings long-term institutional and social permanence. For those shaping India's economic future, BKC is not just an address; it is Mumbai's most powerful residential identity.

'Will navigate energy crisis successfully'

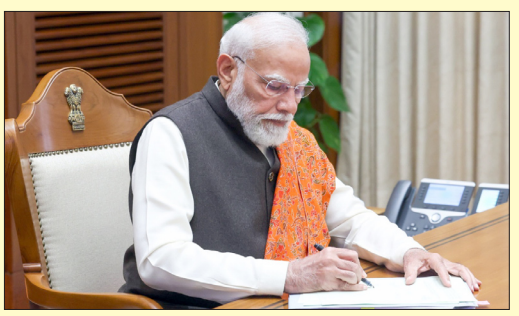

New Delhi: PM Narendra Modi on Wednesday ex p re s s e d confidence that India would succes s f u l l y navigate the situation arising out of the West Asia conflict, just as it did during the COVID-19 pandemic. Addressing a public meeting in Tiruchi ahead of TN polls, he said "The West Asia conflict has affected the energy supply chain of the whole world. We believe in the ideology of India-first. You have seen how our government protects the interests of Indians above everything in any situation. Our efforts will be the same this time too," he said.

Untouched Tourism in India:

Discover New Experiences and Natural Beauty

India has always been famous worldwide for its diversity and natural beauty. Beyond popular destinations like Delhi, Mumbai, Jaipur, and Goa, the country is home to numerous hidden and lesser-known spots that offer completely new experiences to travelers.

Northeast India – The 7 Sister States:

Assam, Meghalaya, Manipur, Mizoram, Nagaland, Arunachal Pradesh, and Tripura mesmerize visitors with vibrant tribal culture, lush landscapes along the Brahmaputra, the forests of Cherrapunji and Mawsynram, colorful festivals in Nagaland, and the mountainous terrains of Arunachal Pradesh. The region is ideal for adventure tourism and authentic cultural experiences.

Hidden Gems of North India:

In Himachal Pradesh and Uttarakhand, places like Tehri, Linchoura, and Malari offer serene experiences for nature lovers. Ladakh's Pangong Tso and Spiti Valley are renowned for breathtaking landscapes. Lesser-known temples, archaeological sites, and rural experiences in Uttar Pradesh and Bihar also attract both Indian and international tourists.

Lesser-Known Destinations in Central and Western India:

In Rajasthan, the Shekhawati havelis, and in Madhya Pradesh, Kanha and Pench wildlife sanctuaries provide thrilling experiences. Gujarat's Rann safari and Madhya Pradesh's Omkareshwar and Mandla regions are stunning spots worth exploring.

Shivam Anil Mishra
(Software Engineer in Kasyap Sweetners Ltd)

Unexpected Beauty in South India:

Kerala's quaint villages, Karnataka's Chikmagalur and Coorg coffee plantations, Tamil Nadu's archaeological sites, and the remote islands of the Andaman & Nicobar archipelago fascinate international tourists.

Natural and Adventure Tourism:

Deserts of Rajasthan and Gujarat, Himalayan peaks, the marine landscapes of Kutch, Maharashtra's hills, and Chhattisgarh's forests all offer untouched experiences. Activities like trekking, river rafting, jungle safaris, and bird-watching are especially popular.

Untouched tourism in India is not just about natural beauty:

it also showcases cultural diversity, rural life, and traditional experiences. With proper attention from the government, local administrations, and the tourism community to infrastructure and conservation, India has the potential to reach new heights in global tourism.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

Benefits of guava leaves

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Guava leaves are often overshadowed by the fruit, yet they hold a significant role in traditional medicine and culinary traditions globally. Rich in bioactive compounds such as antioxidants, flavonoids, and essential oils, these leaves provide numerous health benefits that support overall wellness. Here are five powerful health

Rich in antioxidants Guava leaves contain high levels of antioxidants like quercetin and flavonoids, which help combat oxidative stress and prevent cell damage. This can lower the risk of chronic diseases like cancer and heart disease, promoting healthier aging.

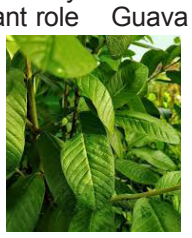

PUPILS TIMES
Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**